



Chhatrapati Shahu Ji Maharaj
University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 11211845

Roll No. 23262000041
Total Mark 71/75.00

Exam BA_V_ODD_EXAM_NOV_2025
Subject A320503T - Applied Theory of Ragas and Taals

Question wise Mark Summary

Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark Q.No Mark

1A	5/5				
1B	5/5				
1C	5/5				
1D	5/5				
1E	5/5				
1F	5/5				
1G	4/5				
1H	5/5				
1I	5/5				
2	0/15				
3	0/15				
4	0/15				
5	14/15				
6	0/15				
7	0/15				
8	0/15				
9	13/15				

**Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh**

PART-I
 Date of Exam: 19-12-2025 Shift: 3rd Room No. 27
 Paper Code: A320503T Subject: Vocal Year/Sem: 5th Sem
 Name of Candidate: AKANKSHA SONI
 Roll No. 23262000041

Signature of Candidate: *Akanksha*
 Signature of Invigilator: *Soni*
 COE Facsimile: *JS*

PART-II

MARKS OBTAINED										
Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										
Total Marks in Figures						Max. Marks				
Total Marks in Words										

Barcode
 Paper Code: A320503T
 Signature of Evaluator

PART-III
 Course: BA
 Session: 2025-26 Year/Semester: 5th Sem
 Subject: Vocal
 Paper Code: A320503T
 Exam Date: 19/12/2025
 Name of Candidate: AKANKSHA SONI
 Father's Name: LUXMI KANT

संस्थान का कोड College Code	परीक्षा केंद्र का कोड Exam Centre Code	परीक्षा का प्रकार Type of Exam
KN015	KN015	<input checked="" type="radio"/> Regular Ex. Student <input type="radio"/> Private Ex. Student <input type="radio"/> Back paper Exam
A A 0 0 B B 1 1 C C 2 2 D D 3 3 E E 4 4 F F 5 5 G G 6 6 H H 7 7 I I 8 8 J J 9 9	A A 0 0 B B 1 1 C C 2 2 D D 3 3 E E 4 4 F F 5 5 G G 6 6 H H 7 7 I I 8 8 J J 9 9	

ANSWER BOOKLET NO.
 11211845
 Paper Code: A320503T
 Barcode

PART-IV
 नामांकन संख्या
 Enrollment Number: CSJMA23000116349
 परीक्षार्थी का पंजीयन संख्या
 Candidate's Roll Number: 23262000041

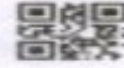
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	9

पेपर कोड
 Paper Code: A320503T

0	0	0	0	0	0	N
B	1	1	1	1	1	P
C	2	2	2	2	2	R
E	3	3	3	3	3	
F	4	4	4	4	4	
G	5	5	5	5	5	
Z	6	6	6	6	6	
A	7	7	7	7	7	
K	8	8	8	8	8	
0	9	9	9	9	9	

Signature of Candidate: *Akanksha*
 Signature of Invigilator: *Soni*
 C S Facsimile
 COE Facsimile

नोट : 1. परीक्षा को निर्दिष्ट दिनांक तथा स्थान में ही आयोजित करने के लिए परीक्षा केंद्र पर अधिकतम सभी निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
 2. कोड में गलती होने पर परीक्षा केंद्र से संपर्क ले लें। 3. कोडों को कटाने या कोडों को बदलने से बचें।



खण्ड - क
उत्तर - 1(9)

राग स्वमाज

स्वमाज थाट

वादी
संवादी
थाट
जाति
स्वर
वर्जित स्वर
गायन समय
प्रकृति
समप्रकृति राग
चलन

गंधार 'ग'
निषाद 'नि'
स्वमाज
षाड्ज - सम्पूर्ण
नि कोमल , शेष शुद्ध
आरोह में ऋषभ 'रे' वर्जित
राति का प्रथम प्रहर
चंचल
लिंग
तीनों सप्तक में

आरोह - नि सा ग म प ध नि सां

अवरोह - सां नि ध प म ग रे सा

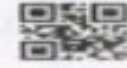
पकड़ - नि सा ग म प , ग म रे सा





Paper Code

A 3 2 0 5 0 3 T



02

उत्तर - 1 (b)

रण चन्द्रकौंस

भाट - औरवी
वादी - 'म' महयम
संवादी - 'सा' पडज
जाति - औडव - औडव
स्वर - ग, घ कीमल गीप शुद्ध
वर्जितस्वर - भ्रष्टपञ्च, पंचम
गायन समय - महयरात्रि
प्रकृति - गम्भीर
समप्रकृति रण - मातकौंस
चलन - महय, तार में अधिऊ

आरीह - सा ग म घ नी सां

अवरीह - सां नी घ म, ग म ग सा

पकड़ - गम ग सा, नि घं नि सा

आलाप - सा... ग... म... ग... सा नि घ नि सा

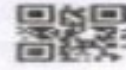
सा ग म घ नि घ नि सां

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

A 3 2 0 5 0 3 T



03

उत्तर - 1(c)

लयकारी - स्वर-समूहों की भिन्न-भिन्न लयों में गायन-वादन करने की कला को लयकारी कहते हैं।
लयकारी मुख्यतः दो प्रकार की होती है

1. सरल लयकारी
2. मिल्ट लयकारी

सरल लयकारी - सरल लयकारी में स्वरो या बोलों को द्रुगुन, द्विगुन, त्रिगुन आदि में गाया बजाया जाता है।

मिल्ट लयकारी - जब स्वर समूहों विभिन्न कठिन लयकारियों आड, कुआड, विआड आदि में गाया बजाया जाता है तो उसे मिल्ट लयकारी कहते हैं।



Do not write anything in this Portion



Paper Code

A 3 2 0 5 0 3 T



04

उत्तर - 1 (D)

पंचम सवारी - मात्रा - 15
 विभाग - 4
 लगी - 1, 4, 12
 खाली - 8

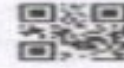
टैका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7
खोल	धी	ना	धीधी	कत	धीधी	नाधी	धीना
चिह्न	X			12			
मात्रा	8	9	10	11	12	13	14
खोल	तीक	लीना	तिरकिट	डूना	कत्ता	धीधी	नाधी
चिह्न	0				3		

डुगुन

मात्रा	1	2	3	4
खोल	धीना	धीधीकत	धीधीनाधी	धीना तीक
चिह्न	X			2
मात्रा	5	6	7	8
खोल	लीनातिरकिट	डूना कत्ता	धीधीनाधी	धीना धी
चिह्न				0
मात्रा	9	10	11	12
खोल	ना धीधी	कत्त धीधी	नाधी धीना	तीक लीना
चिह्न				3
मात्रा	13	14	15	
खोल	तिरकिट डूना	कत्ता धीधी	नाधी धीना	
चिह्न				

Do Not Write anything in this Portion



उत्तर - 1(e)

राग भीमपलासी

शाह	काफी
वादी	'म' महयम
संवादी	'सा' षडज
जाति	औडव सम्पूर्ण
स्वर	ग नि कोमल, शोध गुरु
वर्जित स्वर	रे, ध अरीह में
गायन समय	दिन का द्वितीय प्रहर
समप्रकृति राग	वागी झा

स्वर समूह - प ग म ग , प-प-, ग-म प

गुं गुंरे सा- , नि सा ग म, प-प-

नि- नि- सा

उत्तर - 1(F)

ध्रुपद - ध्रुपद गम्भीर प्रकृति की शास्त्रीय गायन शैली है

ध्रुपद अथवा ध्रुपद का अर्थ है - 'अडिग' ध्रुपद के अविष्कारक ग्वालियर नरेश मानसिंह तैमर को माना जाता है!

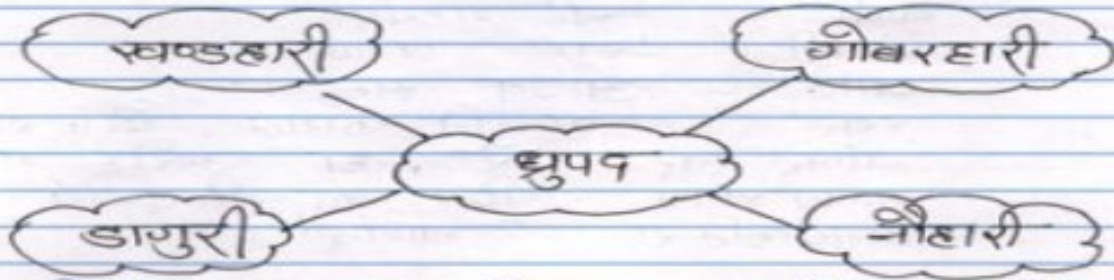
यह पुरुष प्रधान गायकी है। ध्रुपद शुद्ध गीति से निकली गायन शैली है उसमें कठ पर विशेष बल पड़ता है

उस गायन शैली में गमक, कण, खटका आदि का प्रचुरता से प्रयोग किया जाता है! बड़ी-बड़ी म्लिष्ट तने उसकी

Do Not Write anything in this Portion



विशेषताओं में शामिल है।
 ध्रुपद में राधाकृष्ण की जीताओं अम्हिएस
 का प्रयोग किया जाता है।
 ध्रुपद की बावियाँ - ध्रुपद की - वर वानियां



गोबरहार वानी की राजा की उपाधि प्राप्त है
 उसके अविष्कारक लखसेन जी की माना
 जाता है
 खण्डहार के अविष्कारक सुमोखन सिंह जी
 की माना जाता है।
 नीहार वानी के अविष्कारक श्री चन्द तथा
 डागुर वानी के अविष्कारक ब्रज चन्द्र है।

उत्तर - 1

राग चन्द्रकोस में वलि स्वर अक्षर 'रे'
 लमा पंचम 'प' है

Do Not Write anything in this Portion



उत्तर - 1(h)

सप्तक - स्वराओं के क्रमबद्ध स्वरूप को सप्तक कहते हैं। एक सप्तक में 12 स्वर क्रमबद्ध रूप से व्यवस्थित हैं। सप्तक मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं।

मन्द्र सप्तक

मध्य सप्तक

तार सप्तक

स्वर के नीचे बिन्दी

कोई बिन्द नहीं

स्वर के ऊपर बिन्दी

उत्तर - 1(i)

परमेल प्रवेशक राग - 'पर' का तात्पर्य है दूसरा तथा 'मेल' का तात्पर्य भाट से है। जब कोई राग एक मेल से दूसरे मेल में वृत्त करती है उसे परमेल प्रवेशक राग कहते हैं।

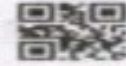
उदाहरण - जयजयवन्ती, मुल्तानी, मारवा

जब रे धा शुद्ध रागी वाला समय समाप्त होला तथा ग नि का मूल वाले रागी का समय प्रारम्भ होता है उस समय जयजयवन्ती राग का गायन किया जाता है इसमें शुद्ध रे धा तथा ग नि दीनी स्वरी का प्रयोग होता है। अतः जयजयवन्ती एक परमेल प्रवेशक राग है।



Paper Code

A 3 2 0 5 0 3 T



08

खण्ड बउत्तर - 5

जाड़ा-चार लाल

माता - 14

लाठी - 1, 3, 7, 11

रानी - 5, 9, 13

भाग - 7

ह-द - 2/2/2/2/2/2/2 सम्पदीय

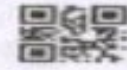
ठह

माता	1	2	3	4	5	6		
बाल	धिं	तिरकित	धी	ना	धुना	ना		
चिह्न	x		2		0			
माता	7	8	9	10	11	12	13	14
बाल	क	ला	तिरकित	धी	ना	धी	धी	ना
चिह्न	3		0		4		0	

दुगुन

माता	1	2	3	4	5	6
बाल	धिं तिरकित	धीना	धुना	कला	तिरकितधी	नाधी
चिह्न	x		2		0	
माता	7	8	9	10	11	
बाल	धीना	धिं तिरकित	धीना	धुना	कला	
चिह्न	3		0		4	
माता	12	13	14			
बाल	तिरकित धी	नाधी	धीना			
चिह्न		0				

Do Not Write anything in this Portion



विष्णुन

मात्रा	<u>धिं</u> ¹	<u>तिरफिट</u> ²	<u>धी</u> ³	<u>ना</u> ⁴	<u>डुना</u> ⁵	<u>क</u> ⁶	<u>त्ता</u> ⁷	<u>तिरफिट</u> ⁸	<u>धी</u> ⁹	<u>ना</u> ¹⁰	<u>धी</u> ¹¹
बोल	X										
चिन्ह											
मात्रा	<u>धी</u> ⁵	<u>ना</u> ⁶	<u>धिं</u> ⁷	<u>तिरफिट</u> ⁸	<u>धी</u> ⁹	<u>ना</u> ¹⁰	<u>डुना</u> ¹¹	<u>क</u> ¹²	<u>त्ता</u> ¹³	<u>तिरफिट</u> ¹⁴	<u>धी</u> ¹⁵
बोल	0										
चिन्ह											
मात्रा	<u>ना</u> ⁹	<u>धी</u> ¹⁰	<u>धी</u> ¹¹	<u>ना</u> ¹²	<u>धिं</u> ¹³	<u>तिरफिट</u> ¹⁴	<u>धी</u> ¹⁵	<u>ना</u> ¹⁶	<u>डुना</u> ¹⁷	<u>क</u> ¹⁸	<u>त्ता</u> ¹⁹
बोल	0										
चिन्ह											
मात्रा	<u>तिरफिट</u> ¹³	<u>धी</u> ¹⁴	<u>धी</u> ¹⁵	<u>ना</u> ¹⁶	<u>धी</u> ¹⁷	<u>धी</u> ¹⁸	<u>ना</u> ¹⁹				
बोल	0										
चिन्ह											



वीष्णुन

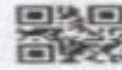
मात्रा	<u>धिं</u> ¹	<u>तिरफिट</u> ²	<u>धी</u> ³	<u>ना</u> ⁴	<u>डुना</u> ⁵	<u>क</u> ⁶	<u>त्ता</u> ⁷	<u>तिरफिट</u> ⁸	<u>धी</u> ⁹	<u>ना</u> ¹⁰	<u>धी</u> ¹¹
बोल	X										
चिन्ह											
मात्रा	<u>धी</u> ⁴	<u>ना</u> ⁵	<u>धिं</u> ⁶	<u>तिरफिट</u> ⁷	<u>धी</u> ⁸	<u>ना</u> ⁹	<u>डुना</u> ¹⁰	<u>क</u> ¹¹	<u>त्ता</u> ¹²	<u>तिरफिट</u> ¹³	<u>धी</u> ¹⁴
बोल	0										
चिन्ह											
मात्रा	<u>धिं</u> ⁸	<u>तिरफिट</u> ⁹	<u>धी</u> ¹⁰	<u>ना</u> ¹¹	<u>धिं</u> ¹²	<u>तिरफिट</u> ¹³	<u>धी</u> ¹⁴	<u>ना</u> ¹⁵	<u>डुना</u> ¹⁶	<u>क</u> ¹⁷	<u>त्ता</u> ¹⁸
बोल	0										
चिन्ह											
मात्रा	<u>धी</u> ¹¹	<u>ना</u> ¹²	<u>धिं</u> ¹³	<u>तिरफिट</u> ¹⁴	<u>धी</u> ¹⁵	<u>ना</u> ¹⁶	<u>डुना</u> ¹⁷	<u>क</u> ¹⁸	<u>त्ता</u> ¹⁹	<u>तिरफिट</u> ²⁰	<u>धी</u> ²¹
बोल	4										
चिन्ह											
मात्रा	<u>ना</u> ¹⁴	<u>धी</u> ¹⁵	<u>धी</u> ¹⁶	<u>ना</u> ¹⁷							
बोल	0										
चिन्ह											

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

A 3 2 0 5 0 3 T



10

खण्ड - गउत्तर - 9

पंचमसवारी

माता - 15

विभाग - 4

ताली - 1, 4, 12

खाली - 0

रहस्य 3 | 4 | 4 | 4

हेतु,

माता	1	2	3	4	5	6	7	
बिल	धी	ना	धीधी	कल	धीधी	नाधी	धीना	
पिह	X			2				
माता	8	9	10	11	12	13	14	15
बिल	लीह	लीना	तिरहित	दुना	कल्ला	धीधी	नाधी	धीना
पिह	0				3			

विशेषतायें - पंचमसवारी 15 माता की ताल

है! उसका प्रचलन अधिक नहीं है उसका प्रयोग

शास्त्रीय ताल्य कथरु के साथ-साथ

राग में भी किया जाता है। यह एक विषमपदीय ताल है क्योंकि इसके

प्रथम विभाग में 3 मातायें तथा अन्य

में 4-4 मातायें होती हैं।

Do Not Write anything in this Portion

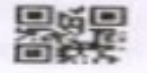
11218185

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



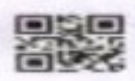
12





Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



13

Do not write anything in this Portion



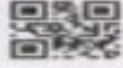
DO NOT WRITE ANYTHING IN THIS PORTION

Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



14



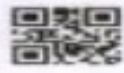
Do not write anything in this Portion

31



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



15



Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



16

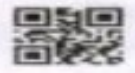


Do not write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



17

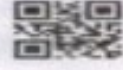


Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



18



Do not write anything in this Portion

02



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



19

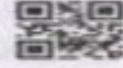


Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



20

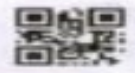


Do not write anything in this Portion



✓

--	--	--	--	--	--	--



Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--



22

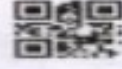


Do Not write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--



23



Do Not Write anything in this Portion



Paper Code

--	--	--	--	--	--	--	--

